Nai Dunia (Indore), 17th August 2022, Page-02

सहयोग अनेक संस्थानों से किए समझौते, शोध संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करेगा

शहर के शिक्षण संस्थानों को गति देगा आइआइटी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अपने विकास के साथ शहर के शिक्षण संस्थानों को भी गति देने का काम करेगा। राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट), भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर और शहर के कुछ निजी संस्थानों के साथ इसी मकसद के साथ समझौता किया गया है। आने वाले दिनों में कई संस्थानों को जोड़ा जा रहा है।

आइआइटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि एसजीएसआइटीएस को भी प्रशिक्षण और शोध में मदद करेंगे। प्रो. जोशी का जुड़ाव आइआइटी बांबे में प्रोफेसर रहते हुए आरआरकैट से रहा है। आइआइटी बांबे और आरआरकैट के बीच कई शोध कार्य हो चुके हैं। इनके मध्य प्रो. जोशी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। आइआइटी इंदौर के बोर्ड आफ गवर्निंग के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. फाटक भी एसजीएसआइटीएस से शिक्षा ले चुके हैं। ऐसे में इस संस्थान को भी आइआइटी का फायदा मिलेगा। उज्जैन में सैटेलाइट परिसर तैयार होने के बाद वहां के स्थानीय शिक्षण संस्थानों को लाभ मिलेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर। ● फाइल फोटो

आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ा रहा है कदम

प्रो. जोशी ने बताया अब देशभर के आइआइटी भी आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इंदौर संस्थान भी अपने कई खर्च खुद निकालने की कोशिश कर रहा है। संस्थान की ज्यादा कमाई रिसर्च और डेवलपमेंट से होती है। इसे भविष्य में बढ़ाया जाएगा। हाल ही में संस्थान को अपना पहला कमर्शियल पेटेंट प्राप्त करने में सफलता मिली है। आइआइटी दिल्ली के साथ संस्थान ने देश का पहला हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर (एचईएमटी) बनाया है जो जल्द भारतीय बाजार में उपलब्ध होगा। इससे भी संस्थान को अपनी कमाई बढ़ाने में मदद मिलेगी। आने वाले सालों में भी कमर्शियल पेटेंट पर संस्थान जोर देगा।

आइआइएम और एशिया विश्वविद्यालय मिलकर शुरू करेंगे नए पाठ्यक्रम

इंदौर। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने एशिया विश्वविद्यालय ताइवान के साथ समझौता किया है। इसके तहत दोनों संस्थान मिलकर दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करेंगे और शोध कार्यों को बढ़ावा देंगे। इसका लाभ दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों को मिलेगा। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय का कहना है कि संस्थान विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करता है। समय-समय पर कई पाठ्यक्रम पेशकश किए जाते रहे हैं। संस्थान अन्य तीन विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय के साथ भी जुड़ा हुआ है। संस्थान का मकसद सामाजिक रूप से जागरूक नेताओं, प्रबंधकों और उद्यमियों को विकसित करना है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच ज्ञान, अनुसंधान और शैक्षणिक डेटा का आदान-प्रदान होगा। व्याख्यान, सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं और अकादमिक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। समझौता पांच वर्ष के लिए हुआ है। प्रो. हिमांशु राय और एशिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. जेफरी जेपी त्साई के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके पहले भी आइआइएम विश्व स्तर के तीन विश्वविद्यालय के साथ समझौता कर चुका है।

आइआइएम इंदौर। ● फाइल फोटो